तापमान
अधिकतम 40.1 डिग्री से.
न्यूनतम 19.5 डिग्री से.

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

11 आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रहा है आगे : शर्मा

12 जम्मू मेल का 7 माह बाद कटरा तक होगा परिचालन

खबर संक्षेप

भूमि सौदे में धोखाधड़ी का आरोप, तीन पर केस

गन्नौर। कृषि भूमि के सौदे में कथित धोखाधड़ी के मामले में गन्नौर थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिल्ली निवासी विनिता हसीजा की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। शिकायत के अनुसार गांव बेगा स्थित 103 कनाल से अधिक कृषि भूमि के सौदे में विरेंद्र, महेश चावला और हेमा चावला ने मध्यस्थता की थी। आरोप है कि सितंबर 2025 में बयाना राशि लेने के बाद शेष भुगतान रजिस्ट्री के समय देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन तय समय पर भुगतान नहीं किया गया। पीड़िता का आरोप है कि 7 अप्रैल को तहसील गन्नौर में रजिस्ट्री संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और अंगूठे लगवा लिए गए, जबकि बकाया राशि नहीं दी गई। बाद में पता चला कि रजिस्ट्री कथित रूप से तय शर्तों के विपरीत अन्य व्यक्तियों के नाम और कम मूल्य पर कराई गई। विरोध करने पर आरोपितों द्वारा धमकी देने और हाथापाई करने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजलीकर्मी काले बिल्ले लगाकर करेंगे प्रदर्शन

गोहाना। ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर 16 जून को प्रदेशभर में बिजलीकर्मी काले बिल्ले लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान हरियाणा एग्रो डीसकाम के नोटिफिकेशन की प्रतियां भी जलाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। यूनियन की राज्य कमेटी के सदस्य सुरेश यादव ने बताया कि यह प्रदर्शन हरियाणा एग्रो डीसकाम के गठन, स्मार्ट मीटर लगाने तथा निजी कंपनियों को बिजली वितरण के समानांतर लाइसेंस देने के विरोध में किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के ये फैसले बिजली निगमों को कमजोर करने वाले हैं।

प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किया जागरूक

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने रविवार को क्षेत्र के चार गांवों में जागरूकता शिविर आयोजित कर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर गांव आहुलाना, भैंसवान खुर्द, लाठ और गंगाना में लगाए गए। सहायक तकनीकी प्रबंधक कृष्ण खासा, ज्योति मलिक, मुकेश, पिंकी मलिक तथा सुपरवाइजर सीमा ने किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत ई-केवाईसी कराने तथा एग्रीस्टैक हरियाणा के अंतर्गत किसान आईडी बनवाने के लिए भी जागरूक किया गया।

हरियाणा की बेटियों का अंडर-17 विश्व कुश्ती टीम में दबदबा

विश्व चैंपियनशिप के लिए चुनी गईं 10 में से 6 महिला पहलवान प्रदेश की

साई के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में हुए महिला अंडर-17 वर्ग के ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, बहालगढ़ में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला वर्ग के ट्रायल में हरियाणा की महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया।

अजरबैजान की राजधानी बाकू में 27 से मुकाबले

चयन प्रक्रिया के बाद घोषित भारतीय टीम में हरियाणा की छह खिलाड़ियों ने स्थान बनाकर प्रदेश की कुश्ती प्रतिभा का लोहा मनवाया। भारतीय कुश्ती संघ के पदाधिकारी विनोद तोमर ने बताया कि अजरबैजान की राजधानी बाकू में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित होने वाली अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए ट्रायल आयोजित किए गए थे।

महिला वर्ग के इन ट्रायल में देशभर से 75 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए दमखम दिखाया। मुकाबलों और तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर अंतिम टीम का चयन किया गया। पहले यह ट्रायल नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने थे, लेकिन वहां मरम्मत कार्य चलने के कारण आयोजन स्थल को बदलकर बहालगढ़ स्थित साई केंद्र कर दिया गया। ट्रायल प्रक्रिया भारतीय कुश्ती संघ की देखरेख में संपन्न हुई।

इन पहलवानों का हुआ चयन

भारतीय महिला टीम में हरियाणा की दीक्षा (43 किग्रा), निकिता सहरावत (57 किग्रा), अवंशिका (61 किग्रा), अंतरा (65 किग्रा), तानिया (69 किग्रा) और गरिमा (73 किग्रा) का चयन हुआ है। इनके अलावा महाराष्ट्र की रोहिणी (40 किग्रा), राजस्थान की संध्या (46 किग्रा) तथा दिल्ली की कामना (49 किग्रा) और अक्षरा (53 किग्रा) भी टीम में शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी अब विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि हरियाणा की पहलवानों की मजबूत मौजूदगी भारतीय महिला टीम के लिए पदक जीतने की उम्मीदों को और बढ़ाएगी।

अंशु धनखड़ ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

लुधियाना में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में सोनीपत के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

पंजाब के लुधियाना में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 के पहले दिन सोनीपत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में अंशु धनखड़ ने अंडर-20 आयु वर्ग की शॉटपुट स्पर्धा में विश्व एथलेटिक्स क्वालीफाइंग मानक हासिल कर अमेरिका में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। अंशु की इस उपलब्धि से खेल जगत में खुशी की लहर है। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, महासचिव प्रदीप मलिक तथा अन्य पदाधिकारियों ने अंशु धनखड़, मुस्कान और सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल प्रेमियों ने भी सोनीपत के खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी देश में राम रोशन कर रहे है।

अंडर 20 महिला वर्ग की 5 किलोमीटर दौड़ में मुस्कान अव्वल, गोल्ड जीता

अंडर-20 महिला वर्ग की 5 किलोमीटर दौड़ में मुस्कान ने स्वर्ण पदक जीतकर सोनीपत का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा और राज्य ने पहले दिन 13 स्वर्ण, 6 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 23 पदक अपने नाम किए। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में 13 और 14 जून को आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा से 126 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक भी हासिल किए।

आईटीआई में ट्रेड नहीं दिखने से अटके दाखिले, कॉलेजों में भी फीका रहा उत्साह

आज समाप्त होगी पंजीकरण प्रक्रिया, आईटीआई में 844 सीटों पर केवल 168 पर ही आवेदन हुए

कॉलेजों में 35 से 40 प्रतिशत सीटें अब भी खाली पड़ी

पोर्टल पर ट्रेड की जानकारी नहीं होने से असमंजस में विद्यार्थी, जिलेभर में 16,500 से अधिक सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

मिशन एडमिशन

जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और महाविद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र के लिए पंजीकरण प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो जाएगी, लेकिन विद्यार्थियों की अपेक्षित रुचि नहीं दिख रही है। आईटीआई में पोर्टल पर ट्रेड (कोर्स) संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं होने से विद्यार्थी असमंजस में हैं, जबकि महाविद्यालयों में भी स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण का आंकड़ा करीब 60 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय ने 2 से 15 जून तक आईटीआई में ऑनलाइन पंजीकरण का मौका दिया है, लेकिन पोर्टल पर ट्रेड संबंधी विवरण उपलब्ध न होने के कारण विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समाधान नहीं हुआ

सोनीपत आईटीआई में 24 ट्रेड की 844 सीटों के मुकाबले अब तक केवल 168 विद्यार्थियों ने ही पंजीकरण कराया है। संस्थान प्रशासन द्वारा निदेशालय को शिकायत भेजे जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

वहीं, उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 जून तक बढ़ाई थी। इसके बावजूद जिले के अधिकांश कॉलेजों में पंजीकरण 60 से 62 प्रतिशत के आसपास ही पहुंच पाया है। ऐसे में 35 से 40 प्रतिशत सीटें खाली रहने की संभावना जताई जा रही है। जिले में 13 राजकीय आईटीआई में करीब 3,000 सीटें निर्धारित हैं।

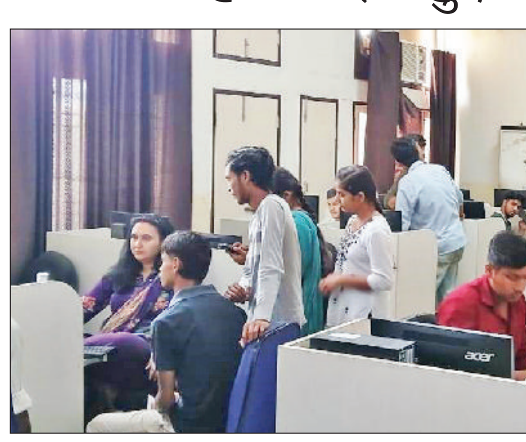

सोनीपत। आईटीआई में पंजीकरण करवाते विद्यार्थी।

यूजी के लिए कॉलजों में 13,500 से अधिक सीटें उपलब्ध

वहीं 23 राजकीय, निजी और एडिड महाविद्यालयों में यूजी पाठ्यक्रमों के लिए 13,500 से अधिक सीटें उपलब्ध हैं। दाखिले को लेकर कॉलेजों और आईटीआई में हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं, लेकिन विद्यार्थियों का उत्साह सीमित ही दिखाई दे रहा है। आईटीआई और कॉलेजों में प्रवेश के लिए परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, बैंक खाता विवरण, जाति एवं रिहायशी प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज निर्धारित किए गए हैं। अधिकारियों ने इच्छुक विद्यार्थियों से अंतिम दिन पंजीकरण कर अपना दाखिला सुनिश्चित करने की अपील की है।

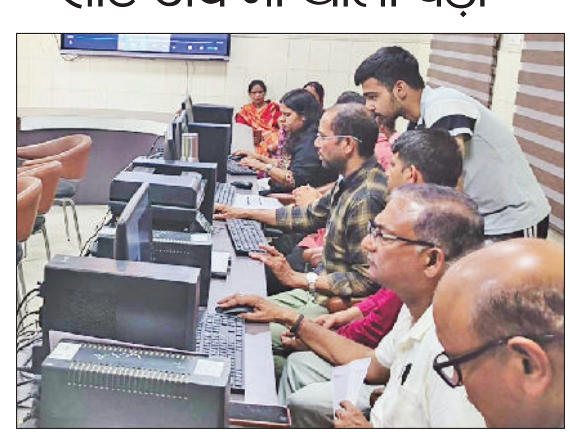

सोनीपत। हिंदू महाविद्यालय में ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया।

विद्यार्थी पंजीकरण में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे

आईटीआई में दाखिले के लिए पोर्टल पर चली आ रही पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया आज समाप्त हो जाएगी। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय को शिकायत करने के बावजूद पोर्टल पर ट्रेड नजर नहीं आ रहे है। इस कारण विद्यार्थी पंजीकरण में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। हेल्प डेस्क स्थापित किए जाने पर भी अब तक मात्र 168 बच्चों ने ही पंजीकरण करवाया है। इच्छुक विद्यार्थियों का आह्वान है कि वह आज अपना पंजीकरण करवाकर दाखिला सुनिश्चित करें।

-**विक्रम सिंह**, प्रधानाचार्य, आईटीआई, सोनीपत

महाविद्यालयों में सभी सीटों पर पंजीकरण नहीं

उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर को लेकर 15 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण का मौका दिया है। लेकिन अब तक ज्यादातर महाविद्यालयों में सभी सीटों पर पंजीकरण नहीं हुआ है। विद्यार्थियों में दाखिले को लेकर खास रूचि नजर नहीं आ रही है। इच्छुक विद्यार्थी सिर्फ आज अपना पंजीकरण करवाकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके बाद वंचित विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में दाखिला नहीं मिल पाएगा।

-**डॉ. सीमा गर्ग**, प्राचार्य, हिंदू कॉलेज, सोनीपत

देवीलाल कॉलोनी में कार सवार युवकों ने दिनदहाड़े फायरिंग की, एक दबोचा

सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस, सीन ऑफ क्राइम और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शहर की देवीलाल कॉलोनी में शनिवार को मामूली कहासुनी के विवाद में कार सवार युवकों द्वारा फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। हमलावरों ने कथित तौर पर पीड़ितों की कार का पीछा किया और घर के बाहर पहुंचकर तीन राउंड फायर किए। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन क्षेत्र में दहशत फैल गई।

देवीलाल कॉलोनी निवासी गौरव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके भाई सौरभ का नरेला निवासी शुभम और उसके साथियों के साथ कुछ समय पहले विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते शनिवार को आरोपियों ने सौरभ, आशीष और अक्षय की कार का पीछा किया। तीनों युवक किसी तरह अपने घर पहुंचे, लेकिन हमलावर भी वहां तक पहुंच गए।

अफरा-तफरी मची

आरोप है कि घर के बाहर पहुंचते ही एक युवक कार की सनरूफ से बाहर निकला और तीन राउंड फायर कर दिए। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस, सीन ऑफ क्राइम और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खाली खोल बरामद किए हैं तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

■ मामूली कहासुनी की रंजिश में वारदात, पुलिस ने घटनास्थल से बरामद किए तीन खोल

■ सनरूफ से की फायरिंग, हथियार और अन्य आरोपियों की तलाश जारी

रिमांड पर लिया

सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश ने बताया कि मामले में विकास नगर निवासी निखिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड के दौरान वारदात में प्रयुक्त हथियार, वाहन और फरार आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

जिले के दो होनहार युवा देशसेवा को समर्पित

सांदल कला की बेटी अन्नू कुमारी बनीं भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट

गन्नौर। लेफ्टिनेंट अन्नू कुमारी को सम्मानित करते भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक।

गन्नौर। गांव सांदल कला की बेटी अन्नू कुमारी ने भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर गांव और आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

ग्रामीणों ने इसे बेटियों के लिए प्रेरणादायक सफलता बताया। अन्नू कुमारी को सम्मानित करने के लिए भाजपा के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक, जिला पार्षद संजय बड़वासनिया सहित कई गणमान्य लोग उनके निवास पहुंचे। इस अवसर पर देवेंद्र कौशिक ने कहा कि अन्नू की सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने साबित किया है कि ग्रामीण परिवेश की बेटियां भी देश की प्रतिष्ठित सेवाओं में महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर सकती हैं। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने कहा कि अन्नू कुमारी ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

देहरादून में अंतिम पग पार कर सेना में लेफ्टिनेंट बने जैनपुर के यश त्यागी

सोनीपत। लेफ्टिनेंट यश त्यागी अपने परिवार के साथ।

सोनीपत। जैनपुर गांव के मूल निवासी और मोहल्ला कोट निवासी यश त्यागी आईएमए देहरादून की पासिंग आउट परेड के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए हैं। 158वें रेगुलर कोर्स की पासिंग आउट परेड में अंतिम पग पार करते ही उनका वर्षों का सपना साकार हो गया। जेवीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्र यश ने 12वीं के बाद ही सेना में जाने का लक्ष्य तय कर लिया था। उन्होंने इग्नू से राजनीति विज्ञान में स्नातक करते हुए पूरी एकाग्रता के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की। बिना किसी कोचिंग के उन्होंने यूपीएससी सीडीएस, एएफसीएटी, एसएससी सीजीएल, सीएचएसएल और सीपीओ जैसी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। स्नातक के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ लॉ में एलएलबी में प्रवेश लिया, लेकिन भारतीय सेना में चयन होने पर पढ़ाई बीच में छोड़कर आईएमए ज्वाइन कर लिया। यश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, बड़े भाई अधिवक्ता हर्ष त्यागी और कारगिल युद्ध में भाग ले चुके अपने नाना स्वर्गीय विजेंद्र त्यागी को देते हैं।

यूके भेजने के नाम पर 10.48 लाख की ठगी

सोनीपत। विदेश भेजने के नाम पर 10.48 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में मुरथल थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान करनाल जिले के गांव राहड़ा निवासी नितिन के रूप में हुई है। अदालत ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस के अनुसार शाहपुर निवासी जयदीप ने 24 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसके बेटे को इंस्टाग्राम के माध्यम से मोहाली स्थित एक वीजा कंसल्टेंसी कंपनी की जानकारी मिली थी। कंपनी के प्रतिनिधियों ने उसे यूके भेजने का भरोसा दिलाया और वीजा प्रक्रिया के नाम पर विभिन्न चरणों में रकम जमा करवाई। आरोप है कि फाइल प्रोसेसिंग, सिक्योरिटी अमाउंट, एंबेसी फीस, इंटरव्यू क्लियरेंस और बायोमेट्रिक अपॉइंटमेंट के नाम पर कुल 10 लाख 48 हजार 701 रुपये लिए गए। अगस्त 2025 में बायोमेट्रिक प्रक्रिया के लिए बुलाने के बाद भी न तो वीजा लगवाया गया और न ही जमा राशि वापस की गई।शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपी नितिन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान मामले से जुड़े अन्य आरोपियों और लेनदेन की जानकारी जुटाने में लगी है।

■ पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया

श्रीशक्ति एक्सप्रेस के आगे कूदी महिला

■ पुलिस ने शव कब्जे में लिया, आज होगा पोस्टमार्टम

सोनीपत। सोनीपत व सांदल कलां रेलवे स्टेशन के बीच शनि मंदिर के पास शनिवार को करीब 40 वर्षीय महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मामले की सूचना मिलते ही जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका की शिनाख्त के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया है। शव का सोमवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।जीआरपी से जांच अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि शनिवार को महिला रेलवे ट्रैक पर चल रही थी। इसी दौरान श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली की तरफ जा रही ट्रेन संख्या 22462 श्रीशक्ति सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लोकोपायलट ने कई बार हॉर्न बजाकर महिला को ट्रैक से हटने के लिए चेताया, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जांच के दौरान प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला अचानक ट्रेन के सामने आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि महिला का शरीर दो हिस्सों में बंट गया। जांच अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतका की उम्र करीब 40 वर्ष लग रही है। रंग सांवला, बाल काले हैं, शरीर पर गाजरी रंग का सूट मिला है। शव की शिनाख्त के प्रयास चल रहे है।

कहानी

डॉ. मधुकांत

पेपर आउट है

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।

पुस्तक समीक्षा

अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में

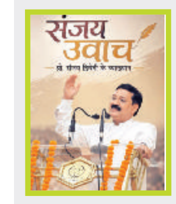

भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता | **कमला राठी**

मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाकी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दु:ख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दु:ख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दु:ख में राम सहाय

कविता | **प्रो. ज्योति राज**

ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारें भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज सी
थेगलियों के टाट सी
चिड़ाती है ग़रीबी

साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व **डॉ. ओमप्रकाश कादयान**

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें।

डॉ. रामभक्त लांगायन

वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है।

आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

मोटिवेशनल

अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति

आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?

मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

3. अनुशासन: रोज़ की छोटी जीत

अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण

आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

भूल-सुधार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था। परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।

आशा खत्री 'लता'

कहानीकार

देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा। बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए। उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई। दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

कुछ हटकर

बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्राय: एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग □5.0–□9.0 लाख वार्षिक (विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग □12–□25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

आय सीमा : फ्रेशर: लगभग □4.0–□8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग □10–□28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

गोहाना। पौधारोपण करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संगठन ने चम्पा और आंवला के 41 पौधे रोपे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को शहर में रोहतक मार्ग के डिवाइडर पर चम्पा और आंवला के 41 पौधे रोपे। संगठन द्वारा पौधारोपण अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के साप्ताहिक अभियान के तहत किया गया। संगठन अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि क्षेत्र में दो दिन पहले बारिश होने से जमीन में पर्याप्त नमी बनी हुई है। ऐसे में यह समय पौधारोपण के अनुकूल है। लोग अधिक से अधिक पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। संगठन द्वारा चम्पा और आंवला के पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की भी निराई-गुड़ाई की गई।

आज निकलेगी जिला स्तरीय योग मैराथन

सोनीपत। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 15 जून को जिला स्तरीय योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि सुबह 6 बजे लघु सचिवालय से मैराथन का शुभारंभ होगा। सोनीपत विधायक निखिल मदान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे। मैराथन हैबीटेट क्लब रोड, महलाना रोड, तिरंगा चौक, सुभाष स्टेडियम और छोटूराम चौक से होकर पुनः लघु सचिवालय पहुंचेगी। प्रतियोगिता 40 वर्ष तक और 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में होगी। प्रत्येक वर्ग के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

गोहाना। शिविर में दूसरे योग का अभ्यास करते हुए साधक। फोटो : हरिभूमि

'तनाव प्रबंधन में भ्रामरी प्राणायाम लाभकारी'

गोहाना। शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क में रविवार को योग शिविर के दूसरे दिन कमर दर्द, घुटना दर्द व थायराइड रोग के लिए उपयोगी आसनों के साथ-साथ भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति क्रिया, अग्निसार क्रिया, अनुलोम विलोम व भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास भी करवाया। योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी ने भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए कहा कि भ्रामरी शब्द भ्रमर से लिया गया है जिसका अर्थ भंवरा है। इस प्राणायाम के अभ्यास के समय निकलने वाला स्वर भ्रमर के भिनभिनाने के स्वर की तरह होता है। इसलिए इस अभ्यास का नाम भ्रामरी प्राणायाम है। इसके नियमित अभ्यास से मानसिक तनाव कम होता है व सिरदर्द में तुरंत राहत मिलती है। सोने से पहले 5 मिनट भ्रामरी प्राणायाम करने से मन शांत होकर गहरी नींद आती है और अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है। इससे हाई ब्लड प्रेशर धीरे-धीरे कम होने लगता है।

श्रद्धालुओं को पुरुषोत्तम मास के महत्व-महिमा से कराया अवगत

इस्कॉन प्रचार समिति ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल किया प्रभु गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- तुलसी पूजन व आरती कर भगवान को दीपदान किया

इस्कॉन प्रचार समिति ने पुरुषोत्तम मास के अवसर पर रविवार को शहर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी मॉडल टाउन स्थित संजय जैन के आवास पर भगवान को दीपदान व तुलसी पूजन के साथ प्रारंभ की गई। समिति सदस्यों ने मॉडल टाउन क्षेत्र में घर-घर जाकर हरिनाम का जाप कर श्रद्धालुओं को पुरुषोत्तम मास की महिमा के बारे में बताया। प्रभातफेरी साईं बाबा मंदिर होते हुए मनोज सिंधवानी के निवास पर हरिनाम संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत किया। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। रघु कुमार दास ने श्रद्धालुओं को पुरुषोत्तम मास के महत्व व महिमा से अवगत कराया। कृष्ण कृपा दास ने श्रद्धालुओं के साथ तुलसी पूजन व आरती कर भगवान को दीपदान किया। प्रभातफेरी में भागवत तत्व दास, बृज नारद दास, प्रोफेसर जयभगवान, मास्टर जगदीप पांचाल, श्याम सिंह रावत, जयप्रकाश, चंद्रेश, शिवानी, सुनीता सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। मॉडल टाउन में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य तथा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

सुन्दरकाण्ड पाठ व हरिनाम संकीर्तन में गूंजा प्रभु श्रीराम का नाम

- पुरुषोत्तम मास में श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का दिया संदेश

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से श्री दुर्गा माता मंदिर, निर्भय मंडल, ककरोई रोड स्थित परिसर में श्री सुन्दरकाण्ड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रभु श्रीराम का गुणगान किया। इस अवसर पर ओपी अरोड़ा ने कहा कि श्रीरामचरितमानस के अनुसार भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। पुरुषोत्तम मास का संबंध भगवान विष्णु के पुरुषोत्तम स्वरूप से है और यह मास व्यक्ति को भगवान राम के आदर्शों, मर्यादाओं तथा धर्म का पालन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र माह में श्रीराम कथा का श्रवण करने से मन की शुद्धि होती है तथा भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। रामकथा में भरत के चरित्र को त्याग, निष्काम सेवा और प्रेम का प्रतीक बताते हुए उन्होंने समाजसेवा को सबसे बड़ा मानव धर्म बताया। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास में किए गए दान, जप, तप, पूजा और सत्कर्मों का विशेष फल प्राप्त होता है। कार्यक्रम में रतन चावला, शाम छाबड़ा, लाजपत नासा, शाम रहेजा, सूरजकांत, राकेश बहल, ललित बत्रा, महेश, राजन मनचन्दा, महेश पाण्डे, रमाकांत, जतिन कथूरिया, मेहरचंद, ईशान, धीरज, विजय, मनोज, भूषण सहित अन्य भक्तजन उपस्थित रहे। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

गन्नौर। त्रिवेणी लगाते पहलवान पीपली खेड़ा, युवा नेता विक्रम लाडवा, कृष्ण रापड़िया, पूर्व सरपंच वीरेंद्र व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

- त्रिवेणी एवं विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण रक्षा और जीवन सुरक्षा का संदेश दिया

महंत तपस्वी बाबा दीपक नाथ के सान्निध्य में रविवार को डेरा बाबा समक शाह ऋषि गांव खुबडू, नयाबांस, समसपुर गामड़ा, भांवर, विलन्दपुर के परिसर में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियां की शुरुआत त्रिवेणी लगाकर की इस अवसर पर पप्पू पहलवान पीपली खेड़ा, युवा नेता विक्रम लाडवा, कृष्ण रापड़िया, पूर्व सरपंच वीरेंद्र तथा गांव गामड़ा सरपंच गुरमेल सहित अन्य गणमान्य लोगों ने त्रिवेणी एवं विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण रक्षा और जीवन सुरक्षा का संदेश दिया। पप्पू पहलवान पीपली खेड़ा ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। युवा नेता विक्रम लाडवा ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। स्वच्छ वायु, शुद्ध जल और संतुलित पर्यावरण के लिए पौधारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। कृष्ण रापड़िया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे तो पर्यावरण संबंधी अनेक समस्याओं का समाधान संभव है। पूर्व सरपंच वीरेंद्र ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरपंच गुरमेल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण का दायित्व निभाना चाहिए।

एसटीएफ के साथ देर रात मुठभेड़ में विजय सैनी हत्याकांड का आरोपी इंद्रपाल ढेर

झज्जर। क्षेत्र के दुजाना गांव के खेतों में रविवार देर रात स्पेशल टास्क फोर्स और एक बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में विजय सैनी हत्याकांड का आरोपी इंद्रपाल मारा गया। मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ के इंस्पेक्टर राकेश भी गोली लगने से घायल हो गए। उनके हाथ में गोली लगी है और उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार करीब 15 दिन पहले दुजाना गांव के खेतों में विजय सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में इंद्रपाल का नाम

सामने आने के बाद पुलिस द्वारा उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही थी। रविवार रात एसटीएफ को इंद्रपाल की लोकेशन दुजाना गांव के पास मिली। इसके बाद टीम ने उसे ट्रेस कर घेराबंदी शुरू की। पुलिस द्वारा दिन में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाए गए थे। एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार आरोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एसटीएफ ने भी गोली चलाई। क्रॉस फायरिंग के दौरान एसटीएफ इंस्पेक्टर राकेश के हाथ में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गए। मुठभेड़ में इंद्रपाल को भी गोली लगी। पुलिस द्वारा मुठभेड़ में घायल बदमाश इंद्रपाल व इंस्पेक्टर राकेश को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां इंद्रपाल को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि घायल इंस्पेक्टर राकेश अस्पताल में उपचाराधीन है।

टेहा गांव को दूषित पानी से मिलेगी निजात

- 3.79 करोड़ की लागत से अंरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में बनेगी माइक्रो एसटीपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

टेहा गांव के गंदे पानी की निकासी की लंबे समय से चली आ रही समस्या का अब जल्द ही समाधान होगा। गांव के गंदे पानी के निस्तारण के लिए 400 केएलडी क्षमता का माइक्रो सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके लिए करीब 3 करोड़ 79 लाख रुपये की लागत का अनुमान लगाया गया है। दूषित पानी की निकासी के लिए बना गांव के जोहड़ का भी अधिग्रहण अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में कर लिया गया था। जिसके बाद से टेहा गांव में दूषित पानी की निकासी प्रभावित हो गई थी। जिसके बाद लंबे समय से ग्राम पंचायत व ग्रामीण सरकार व प्रशासन से दूषित पानी की निकासी के स्थाई समाधान की मांग करते आ रहे थे। जिसका समाधान करते हुए सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मंडी परिसर में माइक्रो एसटीपी स्थापित करने के लिए 250 वर्ग गज भूमि उपलब्ध करा दी गई है। वहीं बीडीपीओ विभाग द्वारा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से इस परियोजना का एस्टिमेट तैयार करने के लिए पत्र भेजा था। जिस पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा गया है। प्रस्ताव के अनुसार टेहा गांव से निकलने वाले दूषित पानी का माइक्रो एसटीपी में उपचार कर आगे भेजा जाएगा। परियोजना पर होने वाला खर्च पंचायत विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। एसटीपी के निर्माण को मंजूरी मिलने के बाद दूषित पानी की निकासी से जुड़ी समस्या का स्थायी समाधान होगा।

माइक्रो एसटीपी लगाने का प्रस्ताव तैयार

गांव के सरपंच आशीष त्यागी ने बताया कि टेहा गांव में गंदे पानी की निकासी लंबे समय से एक बड़ी समस्या बनी हुई थी। गांव की पंचायत लगातार इस मुद्दे को विभिन्न विभागों के समक्ष उठा रही थी। उन्होंने कहा कि माइक्रो एसटीपी लगाने का प्रस्ताव तैयार होना गांव के लिए राहत भरी खबर है। परियोजना के सिरे चढ़ने से गंदे पानी की समस्या से निजात मिलेगी और ग्रामीणों को बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। -टेहा गांव के सरपंच आशीष त्यागी।

खरखौदा। शिक्षा अधिकारी अनिल दलाल को सम्मानित करते ग्राम वासी। फोटो: हरिभूमि

विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान रखने वालों को सिलाना में किया सम्मानित

खरखौदा। उपमंडल के गांव सिलाना के ग्रामवासियों ने एक सराहनीय और पूरी तरह गैर-राजनीतिक पहल करते प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य गांव की उन प्रतिभाओं को एक मंच पर लाना था, जिन्होंने शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, चिकित्सा, खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी मेहनत और उपलब्धियों से गांव, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। इस आयोजन के लिए गांव के लोगों द्वारा एक समिति का गठन किया गया, जिसने बिना किसी व्यक्तिगत प्रचार के केवल प्रतिभाओं को सम्मानित करने को अपना लक्ष्य बनाया। समारोह में उपस्थित सभी सम्मानित व्यक्तियों का फूलमालाओं, पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। सम्मान पाने वालों में आईएएस विक्रम दहिया, डायरेक्टर जितेंद्र दहिया, डॉ. भीम सिंह दहिया, लक्ष्मी नारायण दहिया, श्रीनिवास वशिष्ठ, डीजीपी जगदीप दहिया, ब्रिगेडियर कर्नल अशोक, बीडीओ महेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, जज मुकेश कुमार, जज अनिल दलाल, सचेत कौशिक, अमरदीप दहिया, तहसीलदार हरपाल, प्रदीप दहिया, डॉ. प्रविंद्र दहिया, डॉ. अमित, शिखा दहिया, उपासना दहिया, जज सोनिया सांगवान, ज्वाइंट डायरेक्टर नीतू धनखड़, ज्वाइंट कमिश्नर नीलम दहिया, अमनदीप दहिया, मनजीत मलिक, कुसुम दहिया, दिव्या दहिया, हेमा दहिया, कीर्ति दहिया, तहसीलदार राजकुमार और सहायक निदेशक अनिल दलाल सहित अनेक प्रतिभाएं शामिल रहीं। शमशेर दहिया ने मंच संचालन में सहयोग किया। गांव के लोगों ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और अधिक से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही युवा वर्ग से नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेल और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटने तथा देश व समाज का नाम रोशन करने का आह्वान किया गया।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे मेयर राजीव जैन वरिष्ठ नागरिकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह में 23 वरिष्ठजनों का मनाया जन्मदिन

- सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मान समारोह से माहौल हुआ उत्साहपूर्ण

सोनीपत। वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की ओर से रविवार को सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान प्रेम रेलन ने की, जबकि मंच संचालन रवि कपूर ने किया। प्रमुख समाजसेवी वेद प्रकाश शर्मा मुख्य अतिथि तथा महापौर राजीव जैन अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। इसके बाद धार्मिक भजनों और गीतों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित वरिष्ठजनों का मन मोह लिया। इस अवसर पर अशोक छाबड़ा ने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान मई और जून माह में जन्मे 23 वरिष्ठ नागरिकों का पटका पहनाकर, मिठाई खिलाकर तथा उपहार भेंट कर जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व पार्षद बबीता कौशिक तथा पार्षद त्रिभुवन कौशिक भी मौजूद रहे। पार्षद चुने जाने पर त्रिभुवन कौशिक का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर ओम प्रकाश मुंजाल, हरबंसलाल अरोड़ा, प्रीतपाल बाल्याण, टेक चंद त्रिवेदी, सतीश कुमार अरोड़ा, नरेंद्र झाम, रविंद्र कुमार सेठ मौजूद रहे।

खरखौदा क्षेत्र को पर्यटन स्थल की दरकारः जयबीर वाल्मीकि

- सरकार पर क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाया

प्रेस वार्ता को संबोधित करते जयवीर वाल्मीकि।

खरखौदा। पूर्व सीपीएस एवं विधायक जयबीर वाल्मीकि ने खरखौदा में अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्र व प्रदेश सरकार पर क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार होने के बावजूद खरखौदा में कोई उल्लेखनीय विकास कार्य नहीं हुए हैं और क्षेत्र निरंतर पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान कांग्रेस शासनकाल में जो विकास परियोजनाएं शुरू की गई थीं, आज भी वही क्षेत्र की पहचान हैं। जबकि भाजपा सरकार नई योजना लाने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार उनके कार्यकाल में बने विकास कार्यों का रखरखाव तक नहीं कर पा रही है। जयबीर बाल्मिकी ने कहा कि खरखौदा आईएमटी उनकी सरकार की देन है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की हालत खराब है, जल निकासी व्यवस्था चरमराई हुई है और लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। पूर्व विधायक ने बताया कि विधायक बनने के बाद उन्होंने प्रत्येक गांव और वार्ड में जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के समय आयोजित कायाकल्प रैली में 800 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का खाका तैयार किया गया था, जिसमें आईएमटी, सब डिवीजन, बस स्टैंड, बाईपास, कॉलेज तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल थीं। इन परियोजनाओं पर कार्य भी हुआ, लेकिन उसके बाद कोई नई बड़ी योजना शुरू नहीं की गई। कहा कि खरखौदा एनसीआर क्षेत्र का हिस्सा है और दिल्ली से बेहद निकट स्थित होने के कारण यहां विकास की असीम संभावनाएं हैं। उनके कार्यकाल में तथा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के प्रयासों से रिठाला से खरखौदा तक मेट्रो विस्तार की योजना पर काम चल रहा था, लेकिन सरकार बदलने के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी है।

गन्नौर। भूतपूर्व सैनिक संगठन की बैठक को संबोधित करते संगठन के अध्यक्ष नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक। फोटो : हरिभूमि

भूतपूर्व सैनिक संगठन ने वीर नारियों की पेंशन में कटौती बंद करने की मांग उठाई

- अध्यक्ष नायब सूबेदार ओमप्रकाश की अध्यक्षता में बैठक

गन्नौर। भूतपूर्व सैनिक संगठन की मासिक बैठक केडी नगर स्थित कार्यालय में संगठन के अध्यक्ष नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन संगठन के सचिव कैप्टन एसएस दहिया ने किया। कार्यक्रम में डा. सतबीर सिंह सहरावत मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। बैठक में कैप्टन दया सिंह ने बताया कि किसी भूतपूर्व सैनिक की अकस्मात मृत्यु के बाद वीर नारी की पेंशन में कटौती कर दी जाती है, जबकि उस समय परिवार को आर्थिक सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। संगठन ने मांग की कि वीर नारियों को पूरी पेंशन मिलनी चाहिए और इस व्यवस्था में सुधार किया जाना चाहिए। बैठक में गन्नौर के लिए बायपास रोड के निर्माण की मांग रखी गई, ताकि शहर को जाम की समस्या से राहत मिले और यातायात व्यवस्था बेहतर हो। सतबीर सिंह सहरावत ने समाज में बढ़ रहे नशे के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। बैठक में सूबेदार राजपाल, भीम सिंह, नायक वेद, नवीन प्रताप त्यागी, सूबेदार ईश्वर, एमडब्ल्यूओ आनंद प्रकाश, पीओ रतन मलिक आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम पर्यटन मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा ने पत्रकारवार्ता को किया संबोधित

मोदी के नेतृत्व में देश आत्मविश्वास आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रहा

विकसित भारत संकल्प केवल अभियान नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का राष्ट्रीय संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव के साथ आगे बढ़ रहा है। अमृतकाल का यह दौर आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की अग्रणी शक्ति और विश्व गुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। विकसित भारत संकल्प केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का राष्ट्रीय संकल्प है। रविवार को सहकारिता मंत्री रोहतक रोड स्थित एक निजी पैलेस में

गोहाना। पत्रकारों से बातचीत करते कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व सरकार के 12 साल पूरे होने पर देश की उपलब्धियों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने केवल विकास नहीं किया, बल्कि विश्व पटल पर अपनी नई पहचान स्थापित की है। यह कालखंड सेवा, सुशासन, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और गरीब कल्याण के स्वर्णिम युग के रूप में इतिहास में दर्ज होगा। आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को स्पष्ट जनादेश देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ऐसे फैसले लिए हैं, जिनकी दशकों तक केवल चर्चा होती रही थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 और धारा 35-ए की समाप्ति, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, वन रैंक-वन पेंशन, नागरिकता संशोधन अधिनियम (ब।।) और नए आपराधिक कानूनों जैसे निर्णयों ने नए भारत की शक्ति और संकल्प को दुनिया के सामने स्थापित किया है। डॉ. रीटा शर्मा, मार्किट कमेटी गोहाना के चेयरमैन कृष्ण सैनी, भाजपा जिला महामंत्री महेन्द्र चिड़ाना आदि मौजूद रहे।

25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण को शासन का केंद्र बनाया। बीते 12 सालों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं। मुद्रा योजना के तहत 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए गए, जिनमें अधिकांश लाभार्थी महिलाएं हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के लोकतांत्रिक इतिहास का मील का पत्थर है।

शिविर में 41 लोगों ने कमाया रक्तदान का पुण्य

गोहाना। रविवार को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भागराम ट्रस्ट गोहाना द्वारा शहर में परशुराम चौक में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 41 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा ने की और संयोजन प्रमुख रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास का रहा। मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेश गोयल ने कहा कि जो लोग नियमित रूप से रक्तदान करते हैं वे कई बीमारियों से बचे रहते हैं। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने और समाज में इस पुनीत कार्य के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डा. वैभव गोयल थे। शिविर में राहुल गोयल, श्याम सुंदर मित्तल ने रक्तदान किया।

गोहाना। प्रदर्शनी में योजनाओं को प्रदर्शित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

योजनाओं से बदल रहा आमजन का जीवन : एसडीएम

गोहाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत सेक्टर-7 स्थित कम्युनिटी सेंटर में जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्देश्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोडना है। एसडीएम अंकित कुमार ने बताया कि पिछले 12 वर्षों के दौरान सरकार ने गरीब, किसान, महिला, युवा, श्रमिक, छोटे व्यापारियों एवं समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं का लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से विभिन्न विभागों के अधिकारी प्रदर्शनी में आने वाले नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर रहे हैं। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं के स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

9.50 करोड़ से दूर होगा बदहाली का ग्रहण

ड्रेन-6 मुगल कैनाल की तर्ज पर बढ़ाएगी शहर का सौंदर्यीकरण

निगम ने उच्च अधिकारियों से रिपोर्ट, लेआउट पास करवाकर दो साल बाद कार्य को फिर दी हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर के बीचों-बीच गुजर रही ड्रेन नंबर-6 का आखिरकार लंबे इंतजार के बाद अधूरा पड़ा निर्माण शुरू हो चुका है। ड्रेन 6 जल्द करनाल के मुगल कैनाल की तर्ज पर शहर के सौंदर्यीकरण को बढ़ाएंगी। नगर निगम ने करीब दो साल से अधर में लटके काम को करीब 9.50 करोड़ रुपये की राशि से दो माह में पूरा करवाने का निर्णय लिया है। दो साल तक ड्रेन का काम अधूरा होने से निगम को फजीहत झेलनी पड़ रही थी। अब अटल मिशन (अमृत) योजना के तहत देवड़ू रोड से शादीपुर तक करीब 5 जगह अधूरे पड़े ड्रेन 6 के हिस्सों को आपस में मिलाया जाएगा। इसके बाद शहरवासियों की सुविधा के लिए ड्रेन के दोनोंअ ओर हरियाली व सौंदर्यीकरण संबंधी कार्य करवाकर शहर की सुंदरता को चार चांद लगाए जाएंगे।

सिटी पल्स

6 साल पहले बनाई थी योजना

बता दें कि निर्माणाधीन ड्रेन के कार्य को पूरा करवाने के लिए निगम ने अप्रैल माह में दिल्ली आईआईटी से समझौता रद्द कर एक्सएल टैक कंपनी से लेआउट व रिपोर्ट तैयार करवाई है। मई के अंत में उच्च अधिकारियों से अप्रूवल मिलने, कागजी कार्यवाही के बाद काम को हरी झंडी मिली है। इससे पूर्व निगम ने 6 साल पहले ड्रेन 6 का निर्माण करवाकर शहर की कायाकल्प की योजना तैयार की गई थी। ड्रेन के निर्माण पर अब तक दो भागों में 139.29 करोड़ रुपये की राशि खर्च हो चुकी है, लेकिन निर्माण अधर में होने के चलते शहरवासी आए दिन निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे थे। समस्या यह भी थी कि शहर में 5 जगह पुलों पर जुड़ाव न होने व खुली ड्रेन के चलते हर समय यहां से आवागमन करने वाले लोगों दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों को दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। आसपास क्षेत्रवासियों को मानसून के दौरान ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही थी।अब उम्मीद जगी है कि ड्रेन का काम पूरा होने से शहर अपने आप में मिसाल बन सकेगा।

सोनीपत। दिल्ली रोड पर ड्रेन नंबर-6 की मशीन से खोदाई करते कर्मचारी।

दो माह का रखा लक्ष्य

ड्रेन नंबर-6 के अधूरे पड़े निर्माण कार्य को शुरू करवा दिया गया है। नगर निगम ने काम को पूरा करवाने के लिए दो माह का लक्ष्य रखा है। संबंधित कार्य के लिए राज्यस्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में 9.50 करोड़ रुपये की पहले ही मंजूरी मिलने के बाद बजट प्राप्त हो चुका है। उम्मीद है कि शहर की बड़ी योजना को सिरे चढ़ाकर लोगों को सुविधा के साथ शहर के सौंदर्यीकरण एवं विकास में भागीदारी निभाई जा सकेगी। *-राजीव जैन, मेयर, नगर निगम, सोनीपत*

इस प्रकार उलझी रही योजना

वर्ष 2017 में ड्रेन 6 के निर्माण संबंधी योजना की रुपरेखा तैयार होने के बाद केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इसका शिलान्यास किया था। क्षेत्र में ड्रेन को पक्का करने के साथ सुंदरीकरण के कार्य करने का भी प्रावधान योजना में शामिल है। निगम ने वर्ष 2024 में मानसून से पहले 92 फीसदी कार्य को पूर्ण कर लिया था। अब तक ड्रेन के पार्ट-1 को पक्का करने के लिए 92 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। राठधना के पास 250 मीटर और शहर में सभी पुलों पर करीब 250 मीटर क्षेत्र में ड्रेन का निर्माण कार्य अधूरा है। वहीं निगम ने ड्रेन 6 के पार्ट-2 का निर्माण कार्य 47.29 करोड़ रुपये से अप्रैल 2024 पूरा तक किया था। सरकार ने ड्रेन के पार्ट-2 में होने वाले निर्माण कार्य को वर्ष 2019 में मंजूरी प्रदान की थी। वर्ष 2020 में टेंडर आवंटन के बाद निगम ने डेढ़ साल में इस कार्य पूरा करना था। इस बीच ड्रेन के 800 मीटर क्षेत्र में 112 पेड़ बाधा बने रहे, जिससे निर्माण में दो वर्ष की देरी हुई।

यह बोले शहरवासी

शहर का विकास धरातल पर आएगा नजर

ड्रेन-6 का लंबित निर्माण पूरा होने से शहर के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। दो साल से काम अधर में लटका होने के कारण नगर निगम ही नहीं, बल्कि शहरवासी भी इस समस्या से परेशान थे। ड्रेन के निर्माण व शहर की सुंदरता के बाद विकास धरातल पर नजर आ सकेगा। *-संदीप जेटली, शहरवासी*

नगर निगम प्रशंसा का पात्र

शहर की बड़ी व प्रमुख समस्या पर काम शुरू करवाने के लिए नगर निगम प्रशंसा का पात्र है। उम्मीद है कि अधिकारी उक्त योजना को जल्द अमलीजामा पहनाकर शहर को सौगात देने का काम करेंगे। इससे यातायात सुगम होने के साथ, वाहन चालकों में अनहोनी का खतरा नहीं रहेगा। *-आशीष गुप्ता, शहरवासी*

खबर संक्षेप

15 जून को लगेगा रोजगार मेला

सोनीपत। जिला रोजगार अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 15 जून को जिला रोजगार कार्यालय, सोनीपत में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा।

सट्टा खाईवाली करते आरोपित गिरफ्तार

कुंडली। कुंडली थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1520 रुपये और जुए में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान आकाश निवासी सलारपुर खादर, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

मारपीट के मामले में आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। महलाना गांव के पास एक व्यक्ति पर हमला कर गंभीर चोट पहुंचाने और बाद में घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट करने के मामले में थाना सदर सोनीपत पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान जयदीप के रूप में हुई है।

रेलवे पुलों का मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद मिलेगी सुविधा

जम्मू मेल का 7 माह बाद कटरा तक होगा परिचालन, श्रद्धालुओं को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उत्तर रेल मंडल ने अपडाउन रूट की ट्रेन संख्या 20433/20434 जम्मू मेल एक्सप्रेस का अब अंबाला के बजाय श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा जंक्शन तक परिचालन करने का निर्णय लिया है। उक्त ट्रेन का नवंबर 2025 से अंबाला कैंट तक परिचालन किया जा रहा था। ट्रेन का कटरा तक परिचालन शुरू होने से यात्रियों के साथ श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कटरा जाने के इच्छुक श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिल सकेगी। उन्हें अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों में भीड़भाड़ के बीच सफर नहीं करना पड़ेगा। सोमवार को सूबेदारगंज से चलने वाली 20433 जम्मू मेल सीधे कटरा तक सफर करेगी। वापसी में 20434 जम्मू मेल कटरा से मंगलवार को यात्रा प्रारंभ कर बुधवार सुबह सोनीपत के रास्ते अपने गंतव्य की ओर रवाना होगी।

सोनीपत। स्टेशन पर ट्रेन में सवार होते यात्री।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से प्रारंभ

जम्मू कश्मीर में इस बार 3 जुलाई से बाबा अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। अधिकतर यात्री जम्मू कश्मीर जाने के लिए जम्मू मेल एक्सप्रेस ट्रेन से आवागमन करते है। इन दिनों कटरा तक आवागमन करने वाली जम्मू मेल में 15 जून को 70 से ज्यादा वेटिंग दर्शा रही है, तो अगले दो माह के लिए इस ट्रेन में सीट उपलब्ध नहीं है। आने वाले दिनों में जम्मू मेल में वेटिंग टिकट मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में यात्रियों की सीधे तौर पर परेशानी बढ़ती दिखाई दे रही है।

15 जून से शुरू होगा संचालन

बता दें कि पंजाब व जम्मू में रेलवे पुलों की मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्य के चलते नवंबर 2025 में जम्मू मेल सहित कई अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित कर दिया था। 31 मार्च तक परिचालन प्रभावित रहने का समय निर्धारित किया था। इसके बाद 31 मई तक परिचालन बाधित रहने की समय सीमा बढ़ाई गई थी। फिर 14 जून तक परिचालन प्रभावित रहने का समय तय किया था। इस बीच सूबेदारगंज से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा तक चलने वाली अप-डाउन रूट की जम्मूमेल एक्सप्रेस का अंबाला कैंट तक परिचालन होने से सोनीपत से पंजाब या कटरा तक जाने वाले यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी थी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि उत्तर रेल मंडल की ओर से ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहने के दौरान कठुआ-माधोपुर, शहीद कैप्टन तुषार महाजन-चक रखवाल, पठानकोट-कंदरोरी स्टेशनों के बीच अपडाउन रूट पर निर्माण संबंधी कार्य करवाए गए। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद रेलवे की ओर से रूट खोलने की मंजूरी दी है। इसी कड़ी में कटरा तक जम्मू मेल का संचालन 15 जून से शुरू होने जा रहा है।

रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयासरत

उत्तर रेल मंडल ने रेलवे पुलों की मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्यों के चलते नवंबर 2025 में जम्मू मेल एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित किया था। ऐसे में ट्रेन संख्या 20433/34 जम्मू मेल का कटरा के बजाय केवल अंबाला कैंट स्टेशन तक परिचालन हो रहा था। अब मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद रेलवे ने 15 जून से जम्मू मेल का कटरा तक परिचालन करने का निर्णय लिया है। इससे यात्रियों को सुविधा मिल सकेगी। रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयासरत है। *-हिमांशु शेखर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे*

न्यूज डायरी

सेपक टकरा को हरियाणा की खेल नीति में शामिल कराने का दिया आश्वासन

सोनीपत। हरियाणा प्रदेश सेपक टेकरा एसोसिएशन के सदस्यों ने रविवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सोनीपत विधायक निखिल मदान से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान सेपक टेकरा खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की टीम में चयनित हुए खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। विधायक निखिल मदान ने खिलाड़ी तन्नू, सोनिका, हिमानी, पूजा, सोनू और उज्जवल को प्रशस्ति पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धियां प्रदेश के लिए गर्व का विषय हैं और उनकी मेहनत अन्य युवाओं को भी प्रेरित करेगी। एसोसिएशन के सचिव शमशेर सिंह ने बताया कि हरियाणा के छह खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर बीएसएफ में नियुक्ति प्राप्त की है और अब वे बीएसएफ की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। उइस पर निखिल मदान ने आश्वासन दिया कि वह खेल विभाग के अधिकारियों और खेल मंत्री से मुलाकात कर सेपक टेकरा को हरियाणा की खेल नीति में शामिल कराने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शमशेर सरोहा, विजय हुड्डा, जितेंद्र, दशरथ रंगा, अमित तिहाल, सुमित सरोहा और राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

400 केवी ट्रांसमिशन लाइन से प्रभावित किसानों ने मांगा भूमि का उचित मुआवजा

सोनीपत। सिवानी से जाजी तक स्थापित की जा रही 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों का धरना गांव गुहणा में लगातार जारी है। किसान अपनी जमीन की मार्केट-वैल्यू के अनुसार मुआवजा और कार्य शुरू होने से पहले भुगतान की मांग कर रहे हैं। शनिवार को कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने धरनास्थल पर पहुंचकर किसानों से संवाद किया था। वहीं रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने भी किसानों और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। बिजेंद्र मलिक ने कहा कि किसानों की मांगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल तक पहुंचाकर सकारात्मक समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में जौली, लाठ और आसपास के गांवों के किसानों की भूमिगत जल रिचार्ज संबंधी समस्या भी सरकार के समक्ष उठाकर उसका समाधान कराया गया है। धरने में आसपास के छह गांवों के किसान, सरपंच, सामाजिक संगठनों और किसान यूनियनों के प्रतिनिधि लगातार भाग ले रहे हैं। किसानों ने अपनी मांगों का लिखित ज्ञापन एसडीएम गोहाना, उपायुक्त सोनीपत और कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा को सौंप दिया है। किसानों को

अग्रवाल सम्मेलन ने विधवाओं को दी पेंशन, बुजुर्गों का किया सम्मान

सोनीपत। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (जिला सोनीपत इकाई) की ओर से रविवार को मुरथल रोड पर 15वें जरूरतमंद अग्र विधवा पेंशन वितरण कार्यक्रम एवं द्वितीय वृद्ध सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों, महिलाओं, युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा महाराजा अग्रसेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। अंतरराष्ट्रीय भजन गायक संदीप तायल ने भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। समारोह में वरिष्ठ बुजुर्गों का चरण धोकर, शॉल, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर जरूरतमंद अग्र विधवाओं को मासिक पेंशन और राशन किट भी वितरित की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है और यह सेवा कार्य वर्षों से निरंतर जारी है। कार्यक्रम में मेयर राजीव जैन, मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश अग्रवाल, बसंत मित्तल, गोपाल गोयल, नथुराम जैन, मोहन गुप्ता, विनोद गुप्ता, मनोज गोयल, सोहन लाल जिंदल, विश्वनाथ गोयल, विपिन गोयल, विनोद जैन, डॉ. सुरेश कानन गोयल आदि मौजूद रहे।

डीक्रूटा ने कुलपति पर लगाए नियमों की अनदेखी के आरोप

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के शिक्षक संघ डीक्रूटा ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति पर विश्वविद्यालय एक्ट की अनदेखी तथा प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। रविवार को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में संघ ने कहा कि कार्यकारी परिषद, डीन, विभागाध्यक्ष और अन्य प्रशासनिक पदों पर नियुक्तियों में वैधानिक प्रावधानों का पालन नहीं किया गया, जिससे पारदर्शिता और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया प्रभावित हुई है। डीक्रूटा ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ प्रोफेसरों की अनदेखी कर कनिष्ठ शिक्षकों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं। आवास आवंटन और विश्वविद्यालय की आधारभूत सुविधाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए। संघ का कहना है कि पिछले ढाई वर्षों में रखरखाव की कमी से शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। बैठक में सर्वसम्मति से 16 जून को विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के प्रस्तावित आंदोलन का समर्थन करने का निर्णय लिया गया।

सिसाना धर्मार्थ गोशाला में प्रधान पद को लेकर सहमति बनाने के प्रयास तेज

खरखौदा। सिसाना धर्मार्थ गौशाला में प्रधान पद को लेकर उठे विवाद पर अभी पूर्ण विराम नहीं लगा है। वर्तमान में रणदीप दहिया और रामकुमार दहिया प्रधान पद पर अपना दावा जता रहे हैं। विवाद को बढ़ता देख प्रशासन पहले ही मामले में हस्तक्षेप कर चुका है और स्पष्ट कर चुका है कि यदि आपसी सहमति से समाधान नहीं निकला तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चुनाव कराने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। प्रशासन की ओर से 15 जून तक का समय दिया गया है। इस दौरान लगातार पंचायतों और बैठकों का दौर जारी है, लेकिन अभी तक किसी एक नाम पर सर्वसम्मति नहीं बन पाई है। हालांकि क्षेत्र के गणमान्य लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही कोई सहमति बन सकती है। चर्चाओं में यह सुझाव भी सामने आ रहा है कि यदि दोनों पक्ष किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचते हैं तो ऐसे व्यक्ति को प्रधान बनाया जाए, जिसने लंबे समय तक गौशाला की सेवा की हो और जिसे सभी गांवों व गौभक्तों का समर्थन प्राप्त हो। सिसाना धर्मार्थ गौशाला के पूर्व प्रधानों में पंडित हरनाथ, चंदगी राम, तले राम, चेतराम, लालचंद, महावीर सिंह, होशियार सिंह, सूबेदार पूर्ण सिंह, बलबीर सिंह, प्रेम सिंह, भगत सिंह, पंडित रमेश चंद्र, मास्टर राय सिंह, कैप्टन टीकाराम, मुंशी राम प्रसाद, उमेद सिंह तोमर, महावीर सिंह (सेवानिवृत्त एसीपी) तथा रणदीप, रामफल दहिया (कार्यकारी प्रधान) सहित कई प्रमुख नाम शामिल रहे हैं। वहीं गौशाला के सूचना पट पर रामकुमार दहिया का नाम भी अंकित बताया जाता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हेरोइन तस्करी मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली ने हेरोइन तस्करी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरिओम उर्फ काला और पंकज उर्फ पवन निवासी सरस्वती विहार, सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 13 जून को क्राइम यूनिट कुंडली की टीम को सूचना मिली थी कि हरिओम हेरोइन की खेप लेकर दिल्ली से बहालगढ़ की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर जीटी रोड स्थित प्रीतमपुरा मोड़ पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक कार चालक पुलिस को देखकर वाहन मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह के आधार पर उसे काबू कर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 77 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में थाना कुंडली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

राई विधानसभा क्षेत्र में पानी के 41 टैंकरों की सौगात से गांवों को मिलेगी राहत : गहलावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पेयजल सुविधाओं को बढ़ाने और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से विधायक कृष्णा गहलावत ने रविवार को राई ब्लॉक के गांवों को 41 पानी के टैंकरों की सौगात दी। ब्लॉक समिति के माध्यम से उपलब्ध कराए गए इन टैंकरों को विधायक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ब्लॉक समिति की अध्यक्ष सीमा सबोली का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने प्रत्येक सरपंच से उनके गांव की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं की जानकारी भी ली। सरपंचों को संबोधित करते हुए विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि जनता का विश्वास प्राप्त कर सरपंच बनना आसान नहीं है।

मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका दहिया, ब्लॉक समिति राई की अध्यक्ष सीमा सबोली, पूर्व चेयरमैन मार्केट कमेटी कुलदीप नांगल, मास्टर सत्यनारायण, मंडल अध्यक्ष शेखर अंतिल, मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, कुंडली मंडल अध्यक्ष इंदर सिंह चौहान, राजवीर झरोठ, राई ब्लॉक के सभी सरपंच, ब्लॉक समिति सदस्य तथा बीडीपीओ दिगंबर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम में सरपंचों ने विधायक कृष्णा गहलावत का आभार जताते हुए कहा कि पानी के टैंकरों की सौगात ग्रामीण क्षेत्रों के लिए काफी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

एशियन योग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले इंद्रजीत का सिसाना में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

एशियन योग चैंपियनशिप 2026 में गोल्ड मेडल जीतकर बीएसएफ और सिसाना गांव का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाले इंद्रजीत दहिया के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। गांववासियों ने उनका जोरदार स्वागत करते हुए उन्हें खुली जीप में बैठाकर ढोल-नगाड़ों, फूल मालाओं और नोटों की मालाओं के साथ पूरे सम्मान से सिसाना गांव तक लाया गया। गांव पहुंचने पर दयानंद वाटिका में एक विशाल सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां ग्रामीणों और गणमान्य लोगों ने इंद्रजीत दहिया को सम्मानित किया। समारोह में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर गांव, प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर दहिया खाप प्रधान जयपाल दहिया ,सुरेंद्र बाणिया, पूर्व सरपंच कृष्ण दहिया, समाजसेवी एवं पूर्व जिला पार्षद चांद पहलवान, कुलदीप पहलवान, संदीप एडवोकेट, विक्की नंबरदार, मनीष आर्य, बलजीत, विकेश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अपने संदेश में विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि सिसाना गांव प्रतिभाओं से भरा हुआ है और गांव हमेशा अपनी प्रतिभाओं को सम्मान देने का कार्य करता रहा है।

खरखौदा। इंद्रजीत का स्वागत करते पूर्व जिला पार्षद चांद।

शिक्षा-खेलों पर ध्यान देने की अपील

उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति शिक्षा, खेल या अन्य क्षेत्रों में गांव का नाम रोशन करता है, उसके सम्मान में भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि उन प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ता रहे। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और खेलों पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि मेहनत और अनुशासन के बल पर ही सफलता हासिल की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया और इंद्रजीत दहिया की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की।